राग धनासरी

धनासरी राग की भारतीय संगीत के अप्रचलित रागों में गणना की जाती है। यह बड़ा प्राचीन और मधुर राग है। श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के सारे भक्तों की आरतियाँ इसी राग में हैं। सारे ब्रह्मण्ड की आरती उतारने वाले श्री गुरु नानक देव जी ने xxu e| Fkky jfo pn n|hid cu| rkfjdk eMy tud ekrhA भी इसी राग में गाया गया है। रसमी कर्मकांडों को छोड़ ‘जापीअले राम चे नामं कर ही धनासरी गाने वाला धनवंत होगा।

/kukljh /kuorh tk.khv| Hkkb| t| lfrxj dh dkj dekbAA

आरोह	–	स ग, म प, नी सं।
अवरोह	–	सं नी ध प, म प ग, रे स।
स्वर	–	गंधार व निषाद कोमल, बाकी शुद्ध, ‘रे’ व ‘ध’ आरोह में वर्जित
थाट	–	काफी
जाति	–	औड़व–सम्पूर्ण
समय	–	दिन का तृतीय प्रहर
वादी	–	पंचम
संवादी	–	षड़ज
मुख्य अंग	–	ऩी स ग, म प, नी ध प, म प ग, रे स।
स्वर विस्थार	–	1. स, ऩी स, ऩी स ग, रे स, ऩी ध़ प़, प़ ऩी स, ऩी स ग, म ग म प ग, ग म प ग, ग रे स। 2. ग म प ग, म प, नी ध प, प नी सं, नी सं गं, रें सं, गं मं पं गं, रें सं, नी सं नी ध प, म प ग, म ग, रे स।

धनासरी महला ५॥ (६७८)

जिनि तुम भेजे तिनहि बुलाए सुख सहज सेती घरि आउ॥ अनद मंगल गुन गाउ सहज धुनि निहचल राजु कमाउ॥१॥ तुम घरि आवहु मेरे मीत॥ तुमरे दोखी हरि आपि निवारे अपदा भई बितीत॥ रहाउ॥ प्रगट कीने प्रभ करनेहारे नासन भाजन थाके॥ घरि मंगल वाजहि नित वाजे अपुनै खसमि निवाजे॥२॥ असथिर रहहु डोलहु मत कबहू गुर कै बचनि अधारि॥ जै जै कारु सगल भू मंडल मुख ऊजल दरबार ॥३॥ जिन के जीअ तिनै ही फेरे आपे भइया सहाई॥ अचरजु कीआ करनैहारै नानक सचु वडिआई॥४॥४॥२८॥

धनासरी भगत रविदास जी की

ੴ सतिगुर प्रसादि॥ (६६४)

चित सिमरनु करउ नैन अविलोकनो स्रवन बानी सुजसु पूरि राखउ॥ मनु सु मधुकरु करउ चरन हिरदे धरउ रसन अंम्रित राम नाम भाखउ ॥१॥ मेरी प्रीति गोबिंद सिउ जिनि घटै॥ मै तउ मोलि महगी लई जीअ सटै॥१॥रहाउ॥ साधसंगति बिना भाउ नही ऊपजै भाव बिनु भगति नही होइ तेरी॥ कहै रविदासु इक बेनती हरि सिउ पैज राखहु राजा राम मेरी॥२॥२॥

राग धनासरी

(1) तीन ताल

LFkkbZ%

				नीनी	धप	पनी	सं	नी	—	ध	प	—	सग	मप	म
				तु0	म0	घ0	रि	आ	0	व	हु	0	मे0	00	रे
प	—	—	प	ग	ग	रे	स	—	ऩीऩी	स	ग	रे	रे	स	स
मी	0	0	त	मे	रे	मी	त	0	तुम	रे	0	दो	0	खी	0
ऩीऩी	ऩी	स	ग	पम	गम	पनी	प	—	संसं	सं	सं	नी	सं	प	नी
हरि	आ	पि	नि	वा0	00	00	रे	0	अप	दा	0	भ	ई	0	बि
सं	—	—	सं												
ती	0	0	त												
X				2				0				3			

vUrjk%

								—	पप	प	प	म	प	ग	म
								0	जिनि	तु	म	भे	0	जे	0
पप	नी	सं	गं	रें	रें	सं	—	पप	संसं	सं	संरें	नी	ध	प	म
तिन	हि	0	बु	ला	0	ए	0	सुख	सह	ज	से0	ती	0	घ	रि
स	ग	म	पनी	ध	—	प	—	—	पप	प	प	म	प	ग	म
आ	0	0	00	उ	0	0	0	0	अन	द	मं	ग	ल	गु	न
प	नी	सं	गं	रें	नी	सं	सं	—	संसं	सं	संरें	नी	ध	प	म
गा	0	उ	स	ह	ज	धु	नि	0	निह	च	ल0	रा	0	जु	क
प	—	प	—												
मा	0	उ	0												
X				2				0				3			

dhrZudkj HkkbZ fujatu flag] t0onh dykW

राग धनासरी

(2) झप ताल

LFkkbZ%

							स	ग	म
							मे	0	री
प	—	गम	पनी	प	ग	रे	सस	—	—
प्री	0	ति0	00	गो	बिं	द	सिउ	0	0
ऩी	ऩी	स	—	ग	रे	स	स	ग	मम
जि	0	नि	0	घ	टै	0	मै	0	तउ
प	प	गग	—	म	प	नी	ध	प	प
मो	लि	मह	0	0	गी	0	ल	0	ई
पप	—	गम	प	प	ग	रे	स	ग	म
जीअ	0	00	0	स	टै	0	मे	0	री
X		2			0		3		

vUrjk%

प	प	ग	ग	म	प	नी	सं	संसं	—
चि	त	सि	0	म	र	नु	क	रओ	0
प	नी	सं	गं	रें	सं	सं	नी	ध	प
नै	न	अ	0	वि	लो	क	नो	0	0
प	प	ग	—	म	प	नी	ध	प	प
स्र	व	न	0	बा	नी	सु	ज	सु	0
प	—	गम	पनी	प	ग	रे	सस	ग	म
पू	0	रि0	00	0	रा	0	खउ	मे	री
X		2			0		3		

dhrZudkj HkkbZ bdcky flag] HkkbZ vorkj flag